11
दर्शन मित्र

लोगों के [illegible] [illegible] के लिए कुल [illegible], [illegible] [illegible] तय कर देता है। यह इलाज QALY - Quality of Adjusted life years के आधार पर [illegible] को [illegible] सकते हैं। क्योंकि वह [illegible] [illegible] की [illegible] उसके [illegible] के [illegible] होने के चांस सबसे ज्यादा है और [illegible] [illegible] ज्यादा [illegible] होगा। पर प्रश्न यह है कि क्या [illegible] से यह निर्धारित कर देना की किसका जीवन महत्वपूर्ण है किसका नहीं, उचित है। यहां किसी की परिस्थिति, उम्र, [illegible] हुई दुर्घटना के आधार पर यह [illegible] लिया जा सकता है।

लेकिन [illegible] इन्हीं प्रश्नों व उलझनों को सुलझाने की [illegible] अपने लेख में कर रहा है। वह [illegible] न्यायपूर्ण [illegible] के [illegible] (distributive justice) को बनाए रखने के सिद्धांतों के [illegible] चाहता है। वह इन सिद्धांतों को दो उदाहरणों के [illegible] से [illegible] करता है। एक तो पांच बच्चों के बीच [illegible] के [illegible] बंटवारे को लेकर जुड़ा है, जहां [illegible] सबसे [illegible] [illegible] यह लगता है कि सब थोड़ा-थोड़ा लेकर [illegible] [illegible] न जो [illegible] नहीं आये हैं उसके लिए [illegible] है। [illegible] Sharing or gratitude का [illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible] कठिन है क्योंकि यहां यह [illegible] न [illegible] [illegible] [illegible] है। [illegible] समूह के बीच [illegible] में [illegible] [illegible] उम्र परिस्थितियों के लोगों के बीच [illegible] के बंटवारे को लेकर है ताकि वह सभी [illegible] [illegible] तक पहुंच जाए। यहां भी यह बंटवारा न [illegible] [illegible] आसान नहीं होगा। उम्र, सामाजिक उपयोगिता, [illegible] [illegible], जैसे आधार पर यह चयन किया जाता है।

इस तरह कुछ सिद्धांत जो न्याय को लेकर सामने आते हैं वे कुछ इस प्रकार है

— समान बंटवारा	— काबिलियत के अनुसार हिस्सेदारी
— सबकी इच्छा के अनुसार हिस्सेदारी	— समाज में उपयोगिता
— भविष्य में [illegible] की उपयोगिता	— जरूरत के हिसाब से

इन सभी में से Utility - उपयोगिता व need - जरूरत ऐसे दो आधार लगते हैं जिन पर बंटवारे का फैसला लेना न्याय संगत लगता है। यह दोनों नैतिकता के दो सिद्धांतों deontological theory - कर्तव्यनिष्ठावाद व Utilitarianism - उपयोगितावाद के समान जान पड़ते हैं।

इसके अलावा कैम्पबेल रॉल के न्याय सिद्धांत - decision under Vail of ignorance के सिद्धांत को हैल्थ के क्षेत्र में किस प्रकार अपनाया जा सकता है का अवलोकन करते हैं। रॉल के सिद्धांत के दो मुख्य घटक Liberty Principle - स्वतंत्रता व difference Principle - भेद है। सभी को समान स्वतंत्रता हो और सबके भेदों को ध्यान रखते हुए उन्हें समान अवसर प्राप्त हों।

इस तरह नोरमैन डेनियल व लेनार्ट इस चर्चा के आधार पर इसे हैल्थ के क्षेत्र से जोड़कर कहते हैं कि किसी व्यक्ति को स्वस्थ तब कहा जाएगा जब वह व्यक्ति उन परिस्थितियों में जिनमें वह है उनमें अपने उन उद्देश्यों को पहचाने जो एक खुशनुमा जीवन जीने के लिए जरूरी हैं। इस तरह स्वस्थ होने का मतलब सिर्फ रोग/बीमारी से मुक्ति तक सीमित न रह अपनी स्थिति के अनुसार आनंदमय जीवन जीने का क्षमता बनाए रखने में बदल गया।

कैम्पबेल इस उत्तर व हल को अधिक कारगर कहते हैं।

पर यह न्यायपूर्ण बंटवारा सिर्फ एक राज्य या देश की सीमा तक ही सीमित नहीं है इसे विश्वव्यापी (Global) रूप से देखने की जरूरत है। जब एक देश में मृत्युदर दूसरे देश की अपेक्षा कहीं अधिक होता है, उन बीमारियों पर रिसर्च हो दवाई बनाई जाती हैं जिनसे विकसित देश के लोग प्रभावित होते हैं। विकसित देश के लोगों की अपेक्षा स्वास्थ्य को लेकर अधिक रहती है उनके लिए खुशी जीवन के मायने एक गरीब देश के व्यक्ति के मायने

मे अलग होते हैं। इन वैश्विक असमानताओं के बीच न्याय की बात कैसे कि जा सकती है। न्याय तो तब होगा तब किसी का स्वास्थ्य, सुख, किसी राज्य, देश, आर्थिक स्थिति सापेक्ष ना हो। इसलिए वैश्विक स्तर पर न्यायपूर्ण व्यवहार यह होगा कि सभी की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो सके व सभी कम से कम स्वस्थ रहने व सुखी जीवन के लिए जो क्षमता चाहिए उनका विकास कर सकें।

अंत में कैम्पबेल Global Survival — सार्वभौमिक जीवन की बात करते हैं। अगर सभी सुख-सुविधाओं, संसाधनों का प्रयोग मानव कर लेगा तो समस्या यह होगी आने वाले समय में जीवन बनाए रखने में आवश्यक संसाधनों के अभाव में मानव जाति ही नष्ट न हो जाए। इसलिए महत्वपूर्ण यह है कि मानव जाति को कैसे संरक्षित रखा जाए। संसाधनों को कैसे सुरक्षित रखा जाए। इसके लिए भौतिक उत्पादों व ऊर्जा को संभलकर इस्तेमाल करना होगा। ग्रीनहाउस गैसेस, वन विनाशीकरण जैसी समस्याओं से निजात पानी होगी।